

## पाठ – 7

### एक साम्राज्य की राजधानी विजयनगर

#### लघु उत्तर

**Q1. पिछली दो शताब्दियों में हम्पी के खंडहरों का अध्ययन करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली विधियाँ क्या हैं? किस तरह से आपको लगता है कि उन्होंने विरुपाक्ष मंदिर द्वारा प्रदान की गई जानकारी को पूरक किया होगा?**

**उत्तर :** कर्नल कॉलिन मैकेंजी नाम के एक इंजीनियर और एंटीक्लेरीयन ने वर्ष 1800 में हंपी के खंडहरों को प्रकाश में लाया। वह ईस्ट इंडिया कंपनी के कर्मचारी थे, उन्होंने साइट का पहला सर्वेक्षण मानचित्र तैयार किया। शुरुआत में उन्हें जो जानकारी मिली, वह विरुपाक्ष मंदिर के पुजारी और पम्पादेवी के मंदिर की यादों पर आधारित थी। वर्ष 1836 से, फोटोग्राफरों ने स्मारकों को रिकॉर्ड करना शुरू कर दिया, जिससे विद्वानों ने उनका अध्ययन करने में सक्षम बनाया। एपिग्राफिस्टों ने हम्पी में वहां और अन्य मंदिरों से शिलालेख इकट्ठा करना शुरू किया। इतिहासकारों ने विदेशी यात्रियों और तेलुगु, कन्नड़, तमिल और संस्कृत में लिखे गए अन्य साहित्य के खातों से जानकारी एकत्र करना शुरू किया।

**Q2. विजयनगर की पानी की जरूरतें कैसे पूरी हुईं?**

**उत्तर :** तुंगभद्रा नदी द्वारा गठित एक प्राकृतिक बेसिन ने विजयनगर की जल आवश्यकताओं को पूरा किया। यह उत्तर-पूर्व दिशा में बहती थी। चट्टानी बहिर्वाह से कई धाराएँ नदी में बह गईं। अलग-अलग आकार के जलाशय बनाने के लिए इन धाराओं के साथ तटबंध बनाए गए थे। चूंकि यह प्रायद्वीप के सबसे शुष्क क्षेत्रों में से एक है, इसलिए बारिश के पानी को इकट्ठा करने और इसे शहर में ले जाने के लिए विस्तृत व्यवस्था की जानी थी। सबसे महत्वपूर्ण टैंकों में से एक पंद्रहवीं शताब्दी के शुरुआती वर्षों में बनाया गया था और अब इसे कमलापुरम टैंक कहा जाता है। इस टैंक से पानी न केवल आस-पास के खेतों को सिंचित करता है बल्कि एक चैनल के माध्यम से 'शाही केंद्र' तक पहुंचाया जाता था।

**Q3. आपको क्या लगता है कि शहर के किलेबंद क्षेत्र के भीतर कृषि भूमि को रखने के क्या फायदे और नुकसान थे?**

**उत्तर :** शहर के किलेबंद क्षेत्र के भीतर कृषि भूमि को रखने के फायदे हैं - → इसने कृषि पथ को घेर लिया। → मध्यकाल में, रक्षकों को अधीनता देने के लिए घेराबंदी की गई थी। ये घेराबंदी कई महीनों और कभी-कभी वर्षों तक चल सकती थी। तो इस स्थिति से निपटने के लिए शासकों ने किलेबंद इलाकों के भीतर बड़े-बड़े अन्न भंडार बनाए। शहर के किलेबंद क्षेत्र के भीतर कृषि भूमि को रखने के नुकसान हैं - → यह बहुत महंगी विधि थी। → कृषि भूमि उन स्थानों से दूर थी जहां किसान रहते थे।

**Q4. आपको क्या लगता है कि महानवमी डिब्बा से जुड़े अनुष्ठानों का क्या महत्व था?**

**उत्तर :** महानवमी डिब्बा एक विशाल मंच था जो लगभग 11,000 वर्ग फुट के आधार से 40 फुट की ऊंचाई तक बढ़ रहा था। मंच का आधार राहत नक्काशियों से ढका था। संरचना से जुड़े अनुष्ठान संभवतः सितंबर और अक्टूबर के शरद ऋतु के महीनों के दौरान दस दिवसीय हिन्दू त्योहार के महानवमी (शाब्दिक, नौवें दिन) के साथ मेल खाते थे, जिन्हें दशहरा (उत्तरी भारत), दुर्गा पूजा (बंगाल में) और नवरात्रि या महानवमी (प्रायद्वीपीय भारत में) के रूप में जाना जाता है। विजयनगर के राजाओं ने अपनी प्रतिष्ठा, शक्ति और पराक्रम का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर आयोजित समारोहों में शामिल हैं - → छवि की पूजा, राज्य घोड़े की पूजा, और भैंस और अन्य जानवरों का बलिदान। → नृत्य, कुश्ती मैच, और कैदियों के घोड़े, हाथियों और रथों और सैनिकों के जुलूस, साथ ही साथ राजा और उनके मेहमानों द्वारा मुख्य नायकों और अधीनस्थ राजाओं के समक्ष अनुष्ठान प्रस्तुतियां भी इस अवसर को चिह्नित करती हैं। इन समारोहों को गहरे प्रतीकात्मक अर्थों के साथ चित्रित किया गया था।

**Q5. चित्र 7.33 विरुपाक्ष मंदिर के एक अन्य स्तंभ का चित्रण है। क्या आप किसी भी पुष्प आकृति को देखते हैं? किन जानवरों को दिखाया गया है? आपको क्यों लगता है कि उन्हें चित्रित किया गया है? मानव आकृतियों का वर्णन करें।**

**उत्तर :** हां, खंभे पर पुष्प आकृति हैं। दिखाए गए जानवर घोड़े, हाथी और दिखाए गए पक्षी मोर हैं। इसमें एक नाचते हुए मानव की मूर्ति है। प्राणी के साथ एक लिंगा भी है जो कुछ अलग करता है। स्तंभ पर एक देवता भी दिखाई दे रहा है। इसमें किसी प्रकार की भक्ति को दर्शाया गया है।

## दीर्घ उत्तर

**Q6. चर्चा करें कि क्या "शाही केंद्र" शब्द उस शहर के हिस्से के लिए एक उपयुक्त विवरण है जिसके लिए इसका उपयोग किया जाता है।**

**उत्तर :** शब्द "शाही केंद्र" शहर के उस हिस्से के लिए सबसे उपयुक्त वर्णन है। यह बस्ती के दक्षिण-पश्चिमी भाग में स्थित था। इसमें 60 से अधिक मंदिर शामिल थे। लगभग तीस भवन परिसरों की पहचान महलों के रूप में की गई है। शाही केंद्र में सबसे सुंदर इमारतों में से एक कमल महल है, जिसे उन्नीसवीं शताब्दी में ब्रिटिश यात्रियों द्वारा नामित किया गया था। हालांकि नाम निश्चित रूप से आकर्षक है, इतिहासकारों को यह सुनिश्चित नहीं है कि इमारत का उपयोग किस लिए किया गया था। एक सुझाव, मैकेंज़ी द्वारा तैयार किए गए नक्शे में पाया गया कि यह एक परिषद कक्ष हो सकता है, एक जगह जहां राजा अपने सलाहकारों से मिलते हैं। जबकि अधिकांश मंदिर पवित्र केंद्र में स्थित थे, शाही केंद्र में भी कई थे। उनमें से एक सबसे शानदार हजारामंदिर था। यह शायद केवल राजा और उनके परिवार द्वारा उपयोग किया जाने वाला था। केंद्रीय मंदिर में चित्र गायब हैं; हालांकि, दीवारों पर गढ़े हुए पैनल बच जाते हैं। इनमें मंदिर की आंतरिक दीवारों पर गढ़ी गए रामायण के दृश्य शामिल हैं।

**Q7. कमल महल और हाथी अस्तबल जैसी इमारतों की वास्तुकला हमें उन शासकों के बारे में बताती है जिन्होंने उन्हें बनाया है?**

**उत्तर :** कमल महल - उन्नीसवीं शताब्दी में ब्रिटिश यात्रियों द्वारा कमल महल का नाम रखा गया था। हालांकि इतिहासकार इमारत की उपयोगिता के बारे में निश्चित नहीं हैं, मैकेंज़ी द्वारा तैयार किए गए नक्शे

में पाया गया एक सुझाव यह है कि यह एक परिषद कक्ष हो सकता है, एक जगह जहां राजा अपने सलाहकारों से मिले थे। कमल महल में नौ मीनारें थीं - एक उच्च केंद्रीय, और आठ किनारे। हाथी अस्तबल - विजयनगर के शासकों द्वारा एक बहुत बड़ी सेना को बनाए रखा गया था। संभवतः उन्होंने हाथियों की एक बड़ी संख्या को बनाए रखा होगा और हाथियों को समायोजित करने के लिए कमल महल के पास हाथी अस्तबल का निर्माण किया गया था।

### **Q8. विजयनगर के वास्तुकारों को प्रेरित करने वाली स्थापत्य परम्पराएँ क्या हैं? उन्होंने इन परंपराओं को कैसे बदला?**

**उत्तर :** इस अवधि के दौरान मंदिर की वास्तुकला में कई नई विशेषताएं स्पष्ट हुईं। इनमें अपार पैमाने की संरचनाएँ शामिल थीं जो अवश्य ही शाही अधिकार की निशानी थीं। सबसे अच्छा उदाहरण राया गोपुरम था। शाही द्वार अक्सर केंद्रीय धार्मिक स्थलों पर इमारतों को बौना कर देते थे, जो एक महान दूरी से मंदिर की उपस्थिति का संकेत देते थे। उन्हें राजाओं की शक्तियों के अवशेष के रूप में भी जाना जाता था, जो इन विशाल द्वार के निर्माण के लिए आवश्यक संसाधनों, तकनीकों और कौशलों को आदेश देने में सक्षम थे। अन्य विशिष्ट विशेषताओं में मंडप, और लंबे स्तंभों वाले गलियारे शामिल हैं जो अक्सर मंदिर परिसर के भीतर मंदिरों के आसपास थे। दो मुख्य मंदिर थे - विरुपाक्ष मंदिर और विठ्ठल मंदिर। विरुपाक्ष मंदिर नौवीं और दसवीं शताब्दी के आसपास बनाया गया था, यह विजयनगर साम्राज्य की स्थापना के साथ काफी बढ़ गया था। मुख्य मंदिर के सामने का हॉल कृष्णदेव राय ने अपने परिग्रहण के लिए बनाया था। यह नाजुक नक्काशीदार खंभों से सजाया गया था। विठ्ठल मंदिर 13 वीं शताब्दी में बनाया गया था और यहाँ के प्रमुख देवता विठ्ठल, विष्णु का एक रूप थे। मंदिर में कई हॉल और एक अद्वितीय मंदिर है जिसे रथ के रूप में बनाया गया है।

### **Q9. विजयनगर के सामान्य लोगों के जीवन की क्या छवि आप अध्याय में विभिन्न विवरणों से पाते हैं?**

**उत्तर :** विजयनगर साम्राज्य की स्थापना 1336 में बुक्का राया और हरिहर द्वारा की गई थी। साम्राज्य में ऐसे लोग शामिल थे, जो विभिन्न भाषाएं बोलते थे और विभिन्न धार्मिक परंपराओं का पालन करते थे। हम यह कह सकते हैं कि यदि लोग विभिन्न धर्मों का पालन करते हैं और विभिन्न भाषाओं में बोलते हैं तो शासकों को सभी के प्रति बहुत सहिष्णु होना चाहिए। शायद, लोगों का जीवन आसान हो जाएगा। इन समयों के दौरान युद्ध प्रभावी घुड़सवार सेना पर निर्भर था, अरब और मध्य एशिया से घोड़ों का आयात महत्वपूर्ण था। इसे शुरुआत में अरब व्यापारियों ने नियंत्रित किया था। बाद में, व्यापारियों के स्थानीय समुदाय जिन्हें कुदिराई चेट्टी या घोड़ा व्यापारियों के रूप में जाना जाता है, ने भी इन आयातों में भाग लिया। किसान, शिल्पकार, व्यापारी थे जो मसाले, सोना और सामान बेचते थे। सोलहवीं शताब्दी के पुर्तगाली यात्री बारबोसा ने सामान्य लोगों, जो जीवित नहीं रहे हैं, के घरों का वर्णन किया - "लोगों के घरों में बहुत सारे खुले स्थानों के साथ लंबी गलियां हैं, लेकिन फिर भी काम के अनुसार अच्छी तरह घर से बनाया और व्यवस्थित किया गया है।" सर्वेक्षणों से यह भी संकेत मिलता है कि कुओं, वर्षा के पानी के साथ-साथ मंदिर के टैंकों ने भी शहर के सामान्य निवासियों को पानी के स्रोत के रूप में कार्य किया हो सकता है।

### **मानचित्र कार्य**

**Q10.** दुनिया के रूपरेखा मानचित्र पर इटली, पुर्तगाल, ईरान और रूस को चिह्नित करें। उन मार्गों की पहचान करें, जिन्हें यात्रियों ने विजयनगर पहुंचने के लिए काम में लिया था।

**उत्तर :** यात्रियों ने जिन मार्गों को काम में लिया होगा, वे हैं - इटली से निकोलो डे कॉंटी और पुर्तगाल से दुआर्टे बारबोसा, डोमिंगो पारा और फर्नाओ मुनोज ने विजयनगर पहुंचने के लिए लाल सागर, अरब सागर और हिंद महासागर को पार किया होगा। रूस से अफगानसई निकितिन ने भारत और फिर दक्षिण भारत तक पहुंचने के लिए अफगानिस्तान के माध्यम से भूमि मार्ग लिया होगा।

